7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 एक्सप्रेस-वे पर हादसा | 5 कितना चलाओगे दरोगाजी | 8 सबसे ज्यादा 600 का स्कोर बनाने में आस्ट्रेलिया शीर्ष पर

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 32 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 03 फरवरी, 2025

सरकार का मध्यम वर्ग को बड़ा तोहफा, 12 लाख तक की आय पर कोई टैक्स नहीं

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रिकॉर्ड आठवां लगातार बजट पेश किया। बजट में वित्त मंत्री ने किसानों और एमएसएमई सेक्टर के लिए कई अहम एलान किए। वित्त मंत्री ने अपने पिटारे से बिहार के लिए कई अहम योजनाओं का एलान किया है। बिहार में मखाना बोर्ड बनाने का भी एलान किया गया है। मध्यम वर्ग को बड़ा तोहफा देते हुए वित्त मंत्री ने 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई टैक्स नहीं लगाने का एलान किया।

12 लाख तक की आय पर कोई टैक्स नहीं

12 लाख रुपये तक की आमदनी पर अब आयकर नहीं। जब स्टैंडर्ड डिडक्शन भी जोड़ देंगे तो वेतनभोगी लोगों के लिए 12.75 लाख रुपये की आमदनी पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। वित्त मंत्री ने नए टैक्स स्लैब का एलान करते हुए कहा कि इससे मध्यम वर्ग देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा। हमने मध्यम वर्ग पर टैक्स कम किए हैं और मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई टैक्स नहीं देना होगा।

टीडीएस-टीसीएस का सरलीकरण

टीडीएस की सीमा में बदलाव किए जाएंगे ताकि इसमें एकरूपता लाई जा सके। वरिष्ठ नागरिकों के लिए टीडीएस में छूट की सीमा को 50 हजार से बढ़ाकर एक लाख रुपये किया जाएगा। किराए से होने वाली आमदनी पर टीडीएस में छूट की सीमा को बढ़ाकर छह लाख रुपये किया जाएगा।

मिडिल क्लास के लिए बड़ा एलान

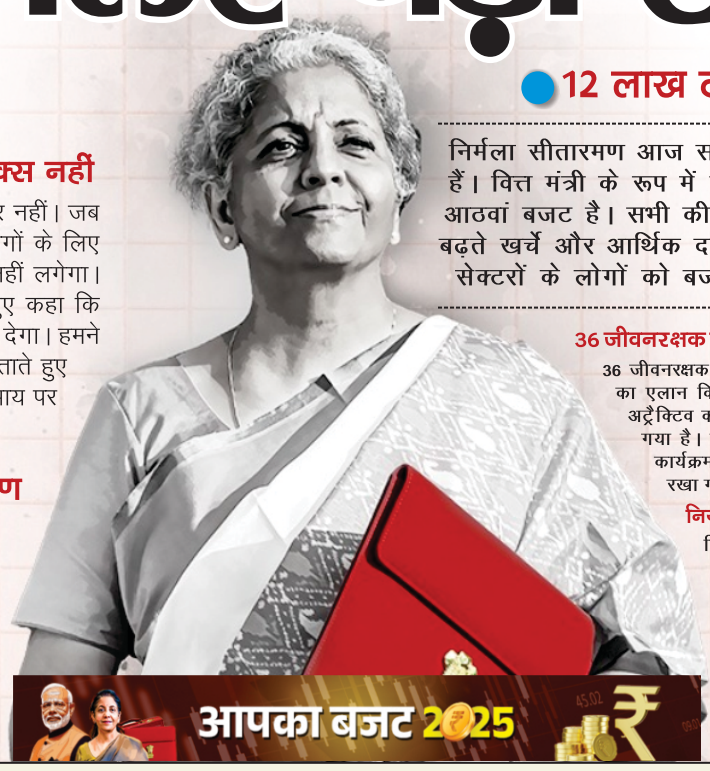

12 लाख तक की इनकम टैक्स फ्री

निर्मला सीतारमण आज संसद में केंद्रीय बजट पेश कर रही हैं। वित्त मंत्री के रूप में निर्मला सीतारमण का यह लगातार आठवां बजट है। सभी की निगाहें बजट पर टिकी हुई हैं। बढ़ते खर्चे और आर्थिक दबावों के बीच टैक्सपेयर समेत कई सेक्टरों के लोगों को बजट से राहत की उम्मीद है।

36 जीवनरक्षक दवाओं को बेसिक कस्टम ड्यूटी से पूरी छूट

36 जीवनरक्षक दवाओं को बेसिक कस्टम ड्यूटी से पूरी छूट देने का एलान किया गया है। 6 जीवनरक्षक दवाएं को 5 प्रतिशत अट्रैक्टिव कंसेशनल कस्टम ड्यूटी की लिस्ट में शामिल किया गया है। साथ ही 37 अन्य दवाओं और 13 मरीज सहायता कार्यक्रमों को भी बेसिक कस्टम ड्यूटी से पूरी तरह से बाहर रखा गया है।

निर्यात बढ़ाने के लिए प्रावधान

निर्यात बढ़ाने के लिए भी बजट में कई प्रावधान किए गए हैं। इसमें हैंडीक्राफ्ट निर्यात उत्पादों की समय सीमा को छह महीने से बढ़ाकर एक साल कर दिया गया है। इसके बाद भी इसे तीन महीने के लिए और बढ़ाया जा सकेगा। वेट ब्लू लेदर में भी बीसीडी से छूट दी गई है। फ्रोजन फिश पेस्ट पर मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात पर लगने वाला बीसीडी (बेसिक कस्टम ड्यूटी) 30 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है।

घूसखोरी

कैंपियरगंज तहसीलदार का पेशकार ले रहा था रिश्वत

एंटीकरप्शन टीम ने किया गिरफ्तार

गोरखपुर। कैंपियरगंज में एंटी करप्शन की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पेशकार को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। थाने पर केस दर्ज करवा विधिक कार्रवाई की गई।

गोरखपुर की एंटीकरप्शन टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। कैंपियरगंज के तहसीलदार के पेशकार को रंगे हाथों घूस लेते गिरफ्तार किया रहे। सूचना पर एंटी करप्शन की टीम ने घेराबंदी की थी। पहले से तय प्लान के मुताबिक जैसे ही पेशकार अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने घूस की रकम हाथ में पकड़ी, टीम ने रंगे हाथों मौके से ही हिरासत में ले लिया। टीम हिरासत में लेकर पीपीगंज थाने आई। थाने में केस दर्ज करवाकर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, गोरखनाथ मंदिर, गोरखपुर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याओं को सुनते हुए।

वांटेड खनन के गुर्गों ने दरोगा- सिपाही पर किया हमला, घायल, गिरफ्तार करने गई थी पुलिस

देवरिया। बरियारपुर थाने के दारोगा वरुण सिंह व सिपाही अमर सिंह को सूचना मिली थी पकंज गुप्ता अवैध मिट्टी खनन का कार्य करा रहा है। मौके पर वह अपने गुर्गों के साथ मौजूद है। इसके बाद दरोगा दलबल के साथ मौके पर पहुंच पंकज को दबोच लिया। यह देख पंकज गुप्ता के गुर्गे मौके पर पहुंच गए। अभी दरोगा वरुण सिंह कुछ समझ पाते गुर्गों ने दारोगा व सिपाही पर हमला बोल दिया। बरियारपुर थाना क्षेत्र के अहिल्यवार बुजुर्ग गांव में वांछित खनन माफिया द्वारा अवैध मिट्टी खनन कराने की सूचना मुखबिर ने बरियारपुर पुलिस को दी। घटना की सूचना पर बुधवार की देर शाम थाने के दरोगा सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद वहां पर मिट्टी खनन करा रहे वांछित खनन माफिया पंकज गुप्ता को पकड़ लिया।

इसके वाहनों के कागजात की जांच करने लगे। इसी बीच खनन माफिया के गुर्गों का जमवाड़ा लग गया। पुलिस खनन माफिया को वाहन तक ला ही रही थी कि उसके गुर्गे पुलिस से उलझ गए। इसके बाद अचानक से हमला कर पकंज गुप्ता को छुड़ा लिया। पुलिस ने पीछा करना

चाहा, परंतु गुर्गों ने पुलिस को रोक दिया। इस घटना में दरोगा व सिपाही चोटिल हो गए। इसकी सूचना जैसे ही बरियारपुर थानाध्यक्ष को मिली करीब आधा दर्जन थाने की पुलिस के साथ आरोपी के घर पहुंच दबिश दी। आरोपी व उसके गुर्गे घर से फरार मिले। पुलिस ने मौके पर मौजूद आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार कर थाने लाई।

इसके बाद एनआइ एक्ट में वांछित खनन माफिया सहित 11 नामजद व 20–30 अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार सभी छह लोगों से पूछताछ के बाद जेल भेज दिया। पुलिस फरार खनन माफिया की गिरफ्तारी में जुटी हुई है। बरियारपुर थाना क्षेत्र के ग्राम अहिलवार बुजुर्ग निवासी पंकज गुप्ता पुत्र मैनेजर गुप्ता अवैध मिट्टी खनन का कार्य करता है। उसने किसी व्यक्ति से रुपया लेने के बाद चेक दिया था, चेक बाउंस हो गया था। इस मामले में पीड़ित ने न्यायालय में केस दर्ज कराया है। उस मामले में पंकज गुप्ता वांछित चल रहा है। बरियारपुर थाने के दारोगा वरुण सिंह व सिपाही अमर सिंह को सूचना मिली थी पकंज गुप्ता अवैध मिट्टी खनन का कार्य करा रहा है। मौके पर वह अपने गुर्गों के साथ मौजूद है। इसके बाद दरोगा दलबल के साथ मौके पर पहुंच पंकज को दबोच लिया। यह देख पंकज गुप्ता के गुर्गे मौके पर पहुंच गए।

अभी दरोगा वरुण सिंह कुछ समझ पाते गुर्गों ने दारोगा व सिपाही पर हमला बोल दिया। साथ ही आरोपी पंकज गुप्ता को छुड़ाकर लेकर चले गए। ग्रामीणों के हमले में दोनों पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। इसकी सूचना जब थानाध्यक्ष कंचन राय को मिली तो वरिष्ठ अधिकारियों को इस घटना से अवगत कराया।

इसके बाद रात में करीब पांच थानों की पुलिस के साथ खनन माफिया पकंज गुप्ता के घर पहुंच छापेमारी की। लेकिन, आरोपी व उसके गुर्गे घर से फरार मिले। पुलिस ने आरोपी के घर पर मौजूद छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया। यही नहीं, मिट्टी खनन के दौरान मिले तीन दो पहिया, एक कार, पांच ट्रैक्टर-ट्राली व एक लोडर को जब्त करते हुए थाने लेकर चले गए।

पुलिस ने खनन माफिया सहित 11 लोगों को नामजद किया। वहीं, 20 से 30 अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर पहचान में जुट गई। देर रात हुई छापेमारी के दौरान छह लोगों को पूछताछ के बाद न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया। एएसपी दक्षिणी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि वारंटी अभियुक्त पंकज गुप्ता को गिरफ्तार करने पुलिस टीम पर हमला करते हुए बाधा पहुंचाई गई थी। दरोगा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार छह अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया। वहीं मौके से नौ गाड़ियों को सीज कर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी के दबिश दी जा रही है।

सम्पादकीय

कुम्भ हादसा जिम्मेदार कौन

144 वर्षों के बाद आये प्रयागराज महाकुम्भ में जिस बड़ी तादाद में लोग पहुंच रहे हैं, उससे यह अंदेशा तो पहले से था कि कुछ भी गड़बड़ हुई तो कोई बहुत बड़ा हादसा हो सकता है परन्तु उत्तर प्रदेश की सरकार का दावा यह था कि यहां की व्यवस्था चाक–चौबन्द है। 144 वर्षों के बाद आये प्रयागराज महाकुम्भ में जिस बड़ी तादाद में लोग पहुंच रहे हैं, उससे यह अंदेशा तो पहले से था कि कुछ भी गड़बड़ हुई तो कोई बहुत बड़ा हादसा हो सकता है परन्तु उत्तर प्रदेश की सरकार का दावा यह था कि यहां की व्यवस्था चाक–चौबन्द है। दावा किया गया था कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की देखरेख में इतनी पुख्ता व्यवस्था की गयी है कि कोई भी अप्रिय घटना होने की कोई गुंजाइश ही नहीं है। इस महाकुम्भ के बारे में देश–विदेश में विभिन्न माध्यमों से भरपूर प्रचार किया गया है और लोगों को बड़ी तादाद में इसमें आने तथा स्नान कर पुण्य कमाने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार का पहले से दावा था कि बुधवार को मौनी अमावस्या पर स्नान करने के लिये श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड़ तोड़ भीड़ रहेगी। यह संख्या 9–10 करोड़ तक होने की बात कही जाती है। यहां तक कहा गया कि डेढ़ महीने में इस पूरे आयोजन में लगभग 40 करोड़ लोग आ सकते हैं।

सरकार के सारे दावे ध्वस्त हो गये जब मंगलवार–बुधवार की दरमियानी रात में संगम में डुबकी लगाने उमड़ी भीड़ ने बैरिकेड्स तोड़ दिये और इसके चलते हुई भगदड़ में सैकड़ों कुचले गये। बुधवार तक मरने वालों की शासकीय स्तर पर संख्या तकरीबन 20 बतलाई गई है और लगभग 100 लोगों के जख्मी होने की बात कही गई है। भीड़ को देखते हुए तथा जिस बड़े पैमाने पर भगदड़ मची, उसके चलते कोई भी इन आंकड़ों पर भरोसा नहीं कर रहा है। सभी का कहना है कि मृतकों तथा घायलों की वास्तविक संख्या कहीं अधिक हो सकती है। सवाल यह है कि क्या कभी सही आंकड़े सामने आ सकेंगे? सवाल तो यह भी उठता है कि क्या कोई इस घटना की जिम्मेदारी लेगा? भारतीय जनता पार्टी की प्रशासन प्रणाली का जो ट्रैक रिकॉर्ड रहा है, उसके अनुसार तो दोनों का जवाब एक ही होगा– श्नहीं, बिलकुल नहीं।य न तो लोगों को कभी जानकारी होगी कि कितने लोगों ने जानें गंवाईं और जहां तक इसकी जिम्मेदारी लेने की बात है, तो वह कभी भी नहीं ली जायेगी– न तो मुख्यमंत्री योगी और न ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। ये वे लोग हैं जो इस आयोजन का श्रेय जरूर लेते रहे हैं।

इस आयोजन की तैयारियां लम्बे समय से चल रही थीं। मेला क्षेत्र में अभूतपूर्व विस्तार किया गया था, तथा इसके लिये राज्य सरकार ने करीब 5500 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है। आरोप है कि ऐतिहासिक व आध्यात्मिक महत्व के इस आयोजन को भाजपा ने अपनी ध्रुवीकरण की राजनीति का उपकरण बना लिया है। न केवल यही कुम्भ बल्कि कुछ वर्ष पहले हुए हरिद्वार कुम्भ की ही तरह इसके जरिये हिन्दू मतदाताओं को खुश करने के लिये इसका सियासी उपयोग किया गया। सर्वप्रथम तो कुछ साधु–संतों ने साफ किया कि इस कुम्भ में मुस्लिमों को दुकानें नहीं लगाने दी जायेंगी। हुआ भी ऐसा। बताया जाता है कि प्रयागराज में इस बार मुस्लिम दुकानदार मौजूद नहीं हैं जबकि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। वैसे भी हरिद्वार के बाद इस कुम्भ में साधु–संतों ने भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने की मांग उठाई है। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष व सांसद चन्द्रशेखर आजाद ने कुछ अर्सा पहले जब कहा था कि श्योगी ने थोड़े समय में बहुत अच्छे प्रबन्ध किये हैं जो बतलाता है कि अगर सरकार ठान ले तो वह बड़े से बड़ा काम कर सकती है, लेकिन जब बात रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि की आती है तो वह सरकार की वरीयता नहीं रह जाती।य इसी प्रकार जब हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि श्संगम में डुबकी लगाने से क्या पाप धुल जायेंगेच, तो तमाम भाजपायी और उसके समर्थक उनके खिलाफ हो गये थे। उन्होंने खरगे पर हिन्दुओं की धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया था।

ऐसा नहीं कि इस हादसे के बाद कुम्भ को लेकर भाजपा के समर्थन में उतरने वाली वह ट्रोल आर्मी नदारद हो गयी हो। सोशल मीडिया पर देखें तो वे पूरी निर्लज्जता से श्रद्धालुओं को ही दोषी ठहरा रहे हैं। उनके अनुसार श्भीड़ अनावश्यक जल्दबाजी कर रही थीच। असलियत तो यह है कि उप्र सरकार, विभिन्न शासकीय विभाग तथा पूरी भाजपा लोगों को इस कुम्भ में श्अमृत स्नानच के लिये प्रेरित कर रही थी। बुधवार को देश भर के प्रमुख समाचारपत्रों में इस आशय के पेज भर के विज्ञापन उप्र सरकार की ओर से प्रकाशित कराये गये हैं। वहीं कथित मुख्यधारा का मीडिया सरकार को निर्दोष बतलाने के उपाय कर रहा है। वह यह तो बतला रहा है कि इस हादसे को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने सुबह से कितनी बार योगी से बात की और वे कितने व्यथित हैं, परन्तु वह यह नहीं पूछ रहा है कि इस घटना की जवाबदेही सीएम की है या पीएम की। उसकी कोशिश यही है कि न तो लोगों तक सही आंकड़े पहुंचे और न ही इस त्रासदी की व्यथा। चन्द्रशेखर आजाद ने इस हादसे को योगी की विफलता बतलाते हुए उनसे इस्तीफे की मांग की है।

जब जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री थे, तब 1954 में यहीं के कुम्भ में मौनी अमावस्या के ही दिन भगदड़ हुई थी। उसमें 800 से 1000 लोगों के मारे जाने की बात तत्कालीन सरकारों ने (केन्द्र व राज्य) निरूसंकोच स्वीकारी थी, खेद जताया था और भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों उसके प्रति सचेत रहने का भी आश्वासन दिया था। 2013 में अखिलेख यादव के मुख्यमंत्री रहते मंत्री आजम खान इसी कुम्भ के प्रभारी थे। उनके प्रबन्धन को लोग अब भी याद करते हैं। तब भी भगदड़ हुई थी, जिस में 36 श्रद्धालु मारे गये थे, जिसके बाद आजम खान ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए त्यागपत्र दे दिया था। अब इस त्रासदी का जिम्मेदार कौन है, यह तय हो।

मैं अमृतकाल बोल रहा हूं

सूत्रधार अमृतकाल बता रहा है कि जो भगदड़ के पहले माहौल था, वही भगदड़ के बाद का माहौल है। अर्थात न कुछ बदला है, न बदलेगा। सूत्रधार अमृतकाल बता रहा है कि जो भगदड़ के पहले माहौल था, वही भगदड़ के बाद का माहौल है। अर्थात न कुछ बदला है, न बदलेगा। भगदड़ के पहले योगी अपनी पूरी केबिनेट के साथ कुंभ आते हैं और डुबकियां लगाने की प्रतियोगिता होती है, एक–दूसरे पर पानी फेंकने की हंसी–ठिठोली होती है। अहाहा, कैसा दिव्य, भव्य दृश्य है जब संन्यासी मुख्यमंत्री के साथ पूरी केबिनेट आध्यात्म के रंग में रंग गई।

बीआर चोपड़ा की महाभारत देखने वालों को याद होगा कि समय को सूत्रधार की भूमिका में रखा गया था। मैं समय हूं, –यहां से महाभारत की बात शुरु होती थी। इसी तरह मैं अमृतकाल हूं और मैं आपको महाकुंभ की अमरकथा सुनाने जा रहा हूं, इस वाक्य के सहारे अब नरेन्द्र मोदी, आदित्यनाथ योगी और पूरी की पूरी भाजपा चाहे तो प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ की घटनाओं को अमृतकाल के हवाले से सुना कर अपनी जिम्मेदारी से बच सकती है। वैसे भी जिम्मेदारियों को स्वीकार न करने का पुराना ट्रैक रिकार्ड नरेन्द्र मोदी का रहा है। गुजरात दंगों पर उनकी दलील थी कि कार के नीचे पिल्ला भी दबे तो बुरा लगता है। नोटबंदी में लोग परेशान हुए, लाइन में खड़े–खड़े कईयों की जान चली गई तो नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 50 दिन का समय दो, फिर जिस चौराहे पर बुलाओगे आ जाऊंगा। लॉकडाउन में लोग अकाल मौत का शिकार बने तो नरेन्द्र मोदी ने ताली बजाने, दिया जलाने के लिए प्रेरित किया। कोरोना की दूसरी लहर में हजारों मौतें हुईं, लाशें नदियों में बहाई गईं, श्मशान घाटों पर कतारें लगने लगीं, लेकिन नरेन्द्र मोदी पीएम रिलीफ फं ड के जरिए मदद पहुंचाने का दावा करते रहे। प्रज्ञा ठाकुर ने गोडसे को महान बताया, तो श्री मोदी ने उन्हें दिल से माफ नहीं किया, लेकिन कोई कड़ी कार्रवाई भी नहीं की।

गलवान में हमारे सैनिक शहीद हुए, लेकिन नरेन्द्र मोदी चीन को लाल आंख नहीं दिखा पाए। पुलवामा में आतंकी हमले में सैनिक शहीद हुए और नरेन्द्र मोदी जंगल में रोमांच के पल बिताते रहे। ओडिशा में तीन ट्रेनें आपस में टकराई और इस भयानक हादसे में 293 लोग मारे गए, तब नरेन्द्र मोदी खंभे से टिककर दुखी मुद्रा में फोन पर बात करते दिखे, लेकिन उसके बाद भी रेल हादसों पर कोई लगाम नहीं लगी, न ही रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को उनके पद से हटाया गया, बल्कि तीसरी बार सरकार बनने पर उन्हें फिर से यही मंत्रालय सौंपा गया। 29 जनवरी 2025 मौनी अमावस्या पर प्रयागराज में भगदड़ मची, न जाने कितने लोग मारे गए, कितने घायल हुए और कितने लापता हुए, मगर नरेन्द्र मोदी कुछ घंटों बाद दिल्ली में चुनाव प्रचार करने लगे। उत्तर–पूर्वी दिल्ली में प्रचार करते हुए उन्होंने कांग्रेस और आप को जी भर के कोसा और लगे हाथ कुंभ में मारे गए लोगों के लिए कहा कि इस हादसे में हमें कुछ पुण्यात्माओं को खोना पड़ा। सवाल है कि क्या इसी अमृतकाल का झांसा देश को दिया गया है, जिसमें सरकारी लापरवाही का शिकार होकर जान गंवाने वालों को पुण्यात्मा कहो और वोट बटोरने में लग जाओ। सूत्रधार अमृतकाल कहेगा कि हे भारतवासियों, अब सवाल मत करना कि भगदड़ में मारे गए, कुचले गए लोगों को नरेन्द्र मोदी ने केवल पुण्यात्मा क्यों कहा, उन्हें शहीद क्यों नहीं कहा। क्योंकि धीरेन्द्र शास्त्री उर्फ बागेश्वर धाम बाबा के हिसाब से तो जो लोग कुंभ में नहीं आए, वे सब देशविरोधी हैं। यानी कुं भ में पहुंचने वाले लोग देशप्रेमी हैं और उन्हीं देशप्रेमियों में से कुछ ने मोक्ष हासिल करने की खातिर खुद ही भगदड़ मचाई और खुद ही अपनी शहादत दे दी। वर्ना भाजपा सरकार की व्यवस्था तो इतनी चाक चौबंद है कि लोगों को जरा भी तकलीफ नहीं है। कम से कम मोदी मीडिया का तो यही दावा है। मुख्यधारा के किसी चौनल ने इतने बड़े हादसे पर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग नहीं की। उनके हिसाब से ये काम विपक्ष का है। चौनल बता रहे हैं कि अधिकारियों ने तो आधी रात को ही चेतावनी दे दी थी कि स्नान कर लें, वर्ना बाद में भीड़ बढ़ेगी। लेकिन लोगों को नींद प्यारी थी, वे उठे ही नहीं और सुबह जब स्नान के लिए पहुंचे तो बैरिकेडिंग थी, जिसे लोगों ने तोड़ा और इस तरह भगदड़ मची।

मीडिया ये भी बता रहा है कि छोटी–मोटी घटनाओं से आस्था पर फर्क नहीं पड़ा। लोग फिर से स्नान के लिए उमड़े। महाकुंभ में हेमा मालिनी, रामदेव और अन्य साधु–संत डुबकी लगा रहे हैं, ये तस्वीरें बुधवार को आईं। हेमा मालिनी सनातन पर ज्ञान दे रही हैं और रामदेव अमृतकाल और मौन का महत्व समझा रहे हैं। मीडिया इन्हें भरपूर कवरेज दे रहा है। मीडिया जब इतनी वफादारी से काम करता है तो फिर नरेन्द्र मोदी का सीना क्यों न 56 इंच का बरकरार रहे। सूत्रधार अमृतकाल बता रहा है कि जो भगदड़ के पहले माहौल था, वही भगदड़ के बाद का माहौल है। अर्थात न कुछ बदला है, न बदलेगा। भगदड़ के पहले योगी अपनी पूरी केबिनेट के साथ कुंभ आते हैं और डुबकियां लगाने की प्रतियोगिता होती है, एक–दूसरे पर पानी फेंकने की हंसी–ठिठोली होती है। अहाहा, कैसा दिव्य, भव्य दृश्य है जब संन्यासी मुख्यमंत्री के साथ पूरी केबिनेट आध्यात्म के रंग में रंग गई। योगी बाद में अमित शाह के साथ भी आते हैं, तब साधु–संतों की मंडली होती है, ये लोग भी डुबकियां लगाते हैं। भगवा वस्त्र, माथे पर तिलक, लटकती तोंदे, चेहरे पर किसी से मतलब न होने का भाव, शासन में होने की अकड़, सब तस्वीरों में कैद होता है। भगदड़ के बाद रामदेव और हेमा मालिनी की तस्वीरें आती हैं। तो कहां कुछ बदला है, आम लोगों के लिए पहले भी पांच–दस किलोमीटर चलने की व्यवस्था थी, भगदड़ के बाद भी वही व्यवस्था कायम रहेगी, ताकि पैदल चलें तो सेहत बनी रहे और संगम भूमि के दर्शन अच्छे से हो जाएं। भूख लगे तो भंडारे में हाथ पसार लो, थक जाओ तो जमीन पर बैठ जाओ। जिन लोगों को सत्ता सौंपी है, उनके सुख के लिए खुद थोड़ा सा कष्ट उठा लिया तो कौन सा पहाड़ टूट जाएगा।

नहीं मिलेगी मदद

अमेरिकी राष्ट्रपति ने शपथ ग्रहण के तुरंत बाद दिए ऑर्डर में सहायता रोकने का आदेश दिया जिससे विकासशील देशों में तनाव है। इस फैसले के असर से भारत और अफ्रीकी देशों पर प्रभाव पड़ सकता है। अमेरिकी सरकार इस कदम की समीक्षा करेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने शपथ ग्रहण के ठीक बाद ही थोक भाव से जिन एक्जीक्युटिव ऑर्डर्स पर दस्तखत किए, उनका असर सामने आने लगा है। ऐसे ही एक आदेश पर अमल करते हुए अमेरिका की एजेंसी फॉर इंटरनैशनल डिवेलपमेंट ने दुनिया के तमाम देशों को विभिन्न प्रॉजेक्ट्स के लिए दी जाने वाली सहायता तत्काल प्रभाव से रोक दी है। इसने स्वाभाविक ही विकासशील देशों में बेचौनी पैदा की है। यू–टर्न की वजहः यह फैसला इस बात का अच्छा उदाहरण है कि किसी देश की नीतियों में आमूल–चूल बदलाव के लिए राष्ट्रहित बदलना जरूरी नहीं होता, राष्ट्रहित की समझ बदलना, उसकी परिभाषा बदलना भी काफी होता है। ट्रंप प्रशासन की अगुआई में लिए गए इस यू–टर्न के पीछे भी वजह यही है कि अमेरिका का राष्ट्रीय हित तय करने वाली दृष्टि बदल गई है। राष्ट्रहित के नए मायनेः अगर वित्त वर्ष 2025 में अमेरिकी सरकार ने दुनिया भर में 72 बिलियन डॉलर की सहायता राशि वितरित की, तो वह राष्ट्रीय हितों के विपरीत जाकर लिया गया फैसला नहीं था। इन सहायता राशियों के साथ कई तरह की शर्तें जुड़ी होती थीं जिनसे अमेरिकी हितों की रक्षा सुनिश्चित होती थी। लेकिन नई सरकार ने तय किया कि अमेरिका की बेहतर छवि, उसकी अच्छी साख को वह राष्ट्रहित के लिहाज से उतना महत्वपूर्ण नहीं मानेगी जितना पैसों की शक्ल में होने वाले लेनदेन को। असर का दायरा : जहां तक भारत की बात है तो 2004 में ही सरकार ने फैसला कर लिया था कि वह विदेश से ऐसी सहायता स्वीकार नहीं करेगी, जिसके साथ ज्यादा शर्तें जुड़ी हों। इस फैसले के बाद धीरे–धीरे भारत आने वाली ऐसी सहायता राशि कम होने लगी। 2023 में ै।प्क से मिली कुल रकम 201.88 मिलियन डॉलर थी, जो 2024 में और घटकर 159.6 मिलियन डॉलर रह गई। फिर भी थोड़ा–बहुत असर इस तरह के प्रॉजेक्ट्स पर पड़ने से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन अफ्रीकी देशों और एशिया के बांग्लादेश जैसे मुल्कों पर इस फैसले का गहरा असर होने वाला है। पुनर्विचार की गुंजाइश : वैसे, अमेरिकी सरकार भी अपने इस कदम के प्रभावों की समीक्षा करेगी। फिलहाल यह रोक 90 दिनों के लिए है। वहां भी इस फैसले के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं। ऐसे में देखना होगा कि ट्रंप सरकार इस फैसले पर अमल को लेकर आखिरकार किस तरह का रुख अपनाती है।

अवैध अतिक्रमण की जांच करने गए थे अधिकारी मछली–मीट कारोबारियों ने किया पथराव–लाठीचार्ज

गोरखपुर/देवरिया। अभियान के दूसरे दिनस्टेशन रोड पर रेलवे की जमीन पर मछली बेच रहे लोगों से पुलिस ने अन्यत्र मछली बेचने की बात कही तो वे उलझ गए। महिलाओं ने रेलवे चौकी इंचार्ज व पुलिस कर्मियों को घेर लिया। पुलिस ने सख्ती की तो महिलाएं और मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने पत्थर फेंकना शुरू कर दिया।

मछली और मीट विक्रेताओं की जांच के दौरान पुलिस से कहासुनी हो गई। बात इस कदर बिगड़ गई कि पथराव शुरू हो गया और पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। इससे अफरातफरी मच गई। पथराव में दो महिलाओं के घायल होने की बात कही जा रही है।शहर में इन दिनों नगर पालिका अभियान चलाकर बिना लाइसेंस व एनओसी के खुले में सड़क के किनारे खुले में मीट व मछली बेचने वाले व्यापारियों व विक्रेताओं पर नकेल कसा जा रहा है।

पहले नगर पालिका के ईओ के नेतृत्व में स्टेशन रोड में खुले या फिर सड़क के किनारे मछली व मीट व्यापारियों के लाइसेंस की जांच की जा रही है।

अभियान के दूसरे दिन बुधवार को स्टेशन रोड पर रेलवे की जमीन पर मछली बेच रहे लोगों से पुलिस ने अन्यत्र मछली बेचने की बात कही तो वे उलझ गए। महिलाओं ने रेलवे चौकी इंचार्ज व पुलिस कर्मियों को घेर लिया। पुलिस ने सख्ती की तो महिलाएं और मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने पत्थर फेंकना शुरू कर दिया।

भीड़ को तितर–बितर करने के लिए पुलिस को लाठियां भांजनी पड़ीं। इसमें दो महिलाएं चोटिल हो गईं।पत्थरबाजी व लाठी भांजने की सूचना पर सीओ संजय कुमार रेड्डी व कोतवाल दिलीप सिंह मय फोर्स मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। इस दौरान घटनास्थल पूरी तरह से पुलिस छावनी में तब्दील हो गया।

मछली विक्रेताओं का आरोप, बिना किसी सूचना के हटाने पहुंची थी पुलिस

नगर पालिका ने अवैध मछली, मीट बेचने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान मछली विक्रेताओं की तरफ से की गई रोड़ेबाजी व पुलिस की लाठीचार्ज के बाद मछली विक्रेता व उपस्थित भीड़ भाग खड़ी हुई है।

घटनास्थल पूरी तरह से पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। भाग कर कुछ दूरी पर तमाशाबीन मछली विक्रेताओं ने कहा कि वह वर्षों से रेलवे की खाली पड़ी जमीन पर मछली बेचने का धंधा करते है। दो दिन से नगर पालिका अभियान चला रही है। वह नगर पालिका के दायरे से बाहर है। यही नहीं रेलवे की तरफ से उन्हें कोई नोटिस नहीं दिया गया था। बिना नोटिस पुलिस कर्मी मौके पर पहुंच दूसरे जगह दुकान लगाने की बात कह हटाने लगे।

ईओ ने कहा, अभियान के दौरान मछली विक्रेताओं ने पुलिस कर्मियों को घेरा

शहर के स्टेशन रोड पर मंगलवार को नगर पालिका अवैध मछली, मीट बेचने वालों के खिलाफ अभियान चला रही थी। ईओ संजय कुमार तिवारी ने कहा कि अभियान के दूसरे दिन भी मछली व मीट की दुकानों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान मछली बेच रहे दुकानदारों के पास कुछ पुलिस कर्मी पहुंचे तो उन्होंने घेर लिया।

इसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग किया तो ईंट–पत्थर चलाने लगे। यह देख पुलिस को लाठी भांजनी पड़ी। ईओ ने बताया कि पहले दिन से ही मीट व मछली विक्रेता पुलिस के प्रति आक्रोशित थे। वह समय की ताक में थे और मछली मार्केट में घुसे पुलिस कर्मियों को घेर कर बदसलूकी भी करने लगे थे। बाध्य होकर पुलिस कर्मियों को लाठी भांजनी पड़ी।

पत्थरबाजी करने वाले को चिह्नित कर की जाएगी कार्रवाई– सीओ

बिना लाइसेंस व एनओजी के सड़क के किनारे खुलेआम मीट व मछली बेचने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में रेलवे स्टेशन रोड में मछली मार्केट के विक्रेताओं ने पुलिस की कहासुनी हो गई। मछली विक्रेताओं ने ईंट पत्थर चलाए तो पुलिस ने लाठियां भी भांजी है। इस पर सीओ संजय कुमार रेड्डी ने कहा कि अअभियान का नेतृत्व ईओ संजय कुमार तिवारी कर रहे थे। अगर उनकी तरफ से तहरीर दी जाती है तो चिह्नित कर कार्रवाई की जाएगी।

एक्सप्रेस–वे पर हादसा

गोरखपुर के सिकरीगंज के पास सड़क दुर्घटना तीन लोगों की मौत, पहचान नहीं हो सकी

गोरखपुर। सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही सिकरीगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। शव को निकालकर पीएम के लिए भेज दिया है। मृतकों में एक महिला और दो पुरूष बताए जा रहे हैं।

गोरखपुर में बृहस्पतिवार को सुबह–सुबह सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। इनकी पहचान नहीं हो सकी है। गाड़ी नंबर से ये तीनों लोग बिहार के बताए जा रहे हैं। गोरखपुर के सिकरीगंज से पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर चढ़ने का रास्ता है। इसी रास्ते के लिंक एक्सप्रेस वे पर ये हादसा हुआ है। सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही सिकरीगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। शव को निकालकर पीएम के लिए भेज दिया है। मृतकों में एक महिला और दो पुरूष बताए जा रहे हैं।

महाकुंभ भगदड़ में मां– बेटी की मौत

मचा कोहराम– दामाद भी गए थे साथ, घायल

गोरखपुर। महाकुंभ स्नान करने गए तीनों लोगों में दो महिला की मौत हो गई। जबकि साथ गए परिवार के एक सदस्य का हाथ टूट गया। घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। चौरीचौरा थाना क्षेत्र के भाऊपुर निवासी लाली देवी पत्नी बृजमोहन अपने पति बृजमोहन और अपनी मां सनकेशा देवी निवासी पोखरभिंडा देवरिया के साथ महाकुंभ स्नान के लिए गई थी। इनके साथ दो अन्य लोग भी गए थे। सभी लोग 27 जनवरी को चौरीचौरा से महाकुंभ स्नान के लिए गए थे।

मृतक मां और बेटी –

नहाकर वापस लौटते समय भगदड़ की चपेट में आने से लाली देवी और मां सनकेशा देवी की मौत हो गई। जबकि साथ गए लाली के पति बृजमोहन का हाथ टूट गया। सूचना मिलते ही घर पर कोहराम मच गया। लाली देवी के दो लड़के और एक लड़की है। स्थानीय पुलिस और राजस्व लेखपाल घर पर पहुंचकर जानकारी लेकर जांच पड़ताल में जुट गए हैं।

मौनी अमावस्या– रामघाट की सीढ़ियों से नहीं हटी मिट्टी..

दलदल में फंसकर किया स्नान, फंसी महिला को खींचकर निकाला

गोरखपुर। कुनराघाट के अभिषेक नदी में स्नान करने के बाद बाहर निकल रहे थे। सीढ़ी के पास पहुंचते ही उनका पैर फिसल गया और वह गिर गए। इसके बाद नदी में दोबारा जाकर स्नान किया। इस दौरान वह व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को कोसते रहे। एक महिला स्नान कर निकलते समय दलदल में फंस गई जिसको वहीं खड़े एक व्यक्ति ने पकड़कर बाहर निकाला। मौनी अमावस्या पर बुधवार को रामघाट पर राप्ती नदी में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने स्नान किया। रामघाट की सीढ़ियों से मिट्टी न हटने की वजह से श्रद्धालुओं को काफी परेशानी हुई। नीचे की तरफ दलदल में फंसते हुए श्रद्धालुओं ने स्नान किया। भोर से ही स्नान के लिए श्रद्धालु रामघाट पर पहुंचने लगे।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगर निगम ने नदी में बैरिकेडिंग कराई थी ताकि वे गहरे पानी की तरफ न जाएं। घाट पर भी साफ–सफाई कराई गई थी। पानी का स्तर कम होने की वजह से नीचे की सीढ़ियों पर मिट्टी जमी हुई थी, लेकिन उसे नहीं हटवाया गया। नतीजा यह हुआ कि बुधवार सुबह तक सूखी मिट्टी कीचड़ में बदल गई और बहुत सारे श्रद्धालु उसमें फिसलकर गिरने लगे। कुनराघाट के अभिषेक नदी में स्नान करने के बाद बाहर निकल रहे थे। सीढ़ी के पास पहुंचते ही उनका पैर फिसल गया और वह गिर गए। इसके बाद नदी में दोबारा जाकर स्नान किया।

इस दौरान वह व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को कोसते रहे। एक महिला स्नान कर निकलते समय दलदल में फंस गई जिसको वहीं खड़े एक व्यक्ति ने पकड़कर बाहर निकाला। नगर निगम के जोनल अधिकारी एनडी पांडेय ने बताया कि घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सफाई कराई गई थी। नदी में भी बैरिकेडिंग की व्यवस्था थी। मिट्टी हटाने का कार्य सिंचाई विभाग का है।

बोले श्रद्धालु...

स्नान के लिए नदी में बैरिकेडिंग तो थी लेकिन सीढ़ियों पर मिट्टी की वजह से काफी फिसलन थी। इससे वहां पैर फिसल रहा था। बहुत सारे लोग वहां गिर गए।

कृतिमा पासवान

स्नान वाली जगह पर दलदल था। स्नान में दिक्कत हो रही थी। कई बार पैर फंस जा रहा था। सीढ़ी पर मिट्टी को हटवाना चाहिए था।

गोरखपुर में छेड़खानी–स्टेज पर चढ़ नर्तकियों से की छेड़छाड

गोरखपुर। खोराबार के रायगंज में 27 जनवरी को एक तिलक समारोह में उनकी डांस पार्टी गई थी। डांस प्रोग्राम चल रहा था। इसी दौरान गांव का श्रीराम यादव पुत्र नारद यादव व उसके घर के कुछ मनबढ़ युवक स्टेज पर चढ़ कर उसके व साथ में डांस कर रही एक अन्य नर्तकी से छेड़खानी करने लगे। क्षेत्र के रायगंज गांव में एक तिलक समारोह के दौरान कार्यक्रम प्रस्तुत कर रही नर्तकियों से छेड़खानी और विरोध करने पर ईंट–पत्थर से हमला करने का मामला सामने आया है। एक नर्तकी की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही एक युवक के खिलाफ नामजद समेत चार–पांच अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है।

बांसगांव के कौड़ीराम इलाके की रहने वाली युवती की तहरीर के अनुसार, खोराबार के रायगंज में 27 जनवरी को एक तिलक समारोह में उनकी डांस पार्टी गई थी। डांस प्रोग्राम चल रहा था। इसी दौरान गांव का श्रीराम यादव पुत्र नारद यादव व उसके घर के कुछ मनबढ़ युवक स्टेज पर चढ़ कर उसके व साथ में डांस कर रही एक अन्य नर्तकी से छेड़खानी करने लगे।

मना करने पर धमकी भी दी। देर रात प्रोग्राम बंद होने के बाद जब वे अपने वाहन से घर लौट रहे थे तो रायगंज बंगला चौराहे पर घात लगाए श्रीराम व उसके साथियों ने उनकी गाड़ी रोक ली और ईंट–पत्थर से हमला कर दिया। इस हमले में उनका गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई और उसे व साथी डांसर को चोटें आईं। युवती की तहरीर पर पुलिस ने श्रीराम व अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।ल

दो बार पहले भी हुई है नर्तकियों से दरिंदगी

नर्तकियों से दो बार पहले भी दरिंदगी हो चुकी है। एक घटना गोरखपुर के एकला बंधे के पास और दूसरी कुशीनगर के कप्तानगंज क्षेत्र में हुई थी। पंजाब की रहने वाली दो युवतियां बांसगांव इलाके में किराये का कमरा लेकर रहती थी।

बाइक से लौट रही युवतियों को एकला बंधे के पास जबरन उतारकर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। पांच आरोपितों के नाम सामने आए थे, इसके बाद पुलिस ने अगली सुबह ही मुख्य आरोपित नीरज जायसवाल को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया था। वह पुलिस की गोली से घायल हो गया था। इसके बाद ही अन्य आरोपित भी पकड़े गए थे। वहीं, कुशीनगर के रामकोला स्थित थाना क्षेत्र के एक चौराहे पर स्थित एक मकान में घुसकर दो लग्जरी वहनों से आए मनबढ़ों ने असलहे के बल पर आर्केस्ट्रा में काम करने वाली दो नर्तकियों को अगवा कर लिया। इसके बाद रास्ते भर फायरिंग करते हुए नर्तकियों को कप्तानगंज क्षेत्र के सोहनी गांव ले गए और वहां सामूहिक दुष्कर्म किया था।

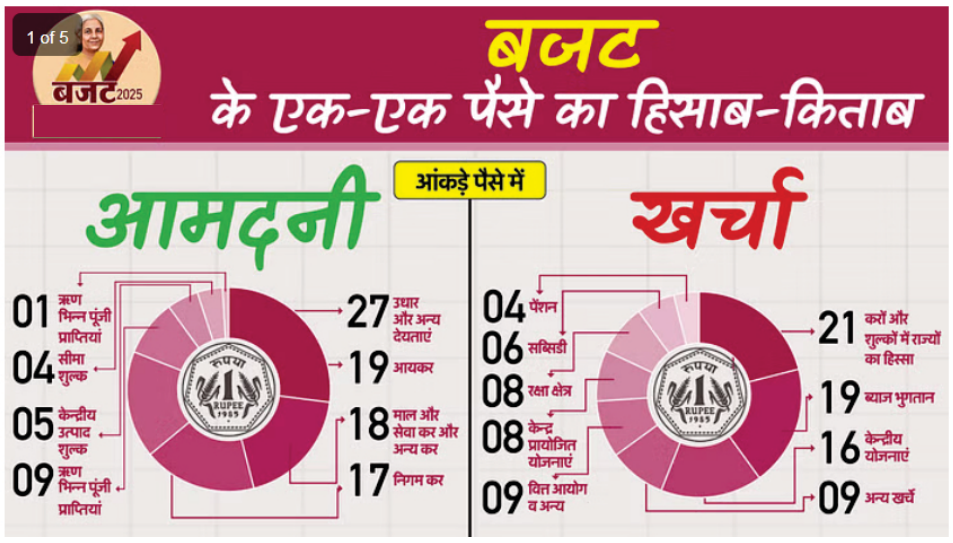

सरकार का मध्यम वर्ग को बड़ा तोहफा

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज रिकॉर्ड आठवां लगातार बजट पेश किया। बजट में वित्त मंत्री ने किसानों और एमएसएमई सेक्टर के लिए कई अहम एलान किए। वित्त मंत्री ने अपने पिटारे से बिहार के लिए कई अहम योजनाओं का एलान किया है। बिहार में मखाना बोर्ड बनाने का भी एलान किया गया है। मध्यम वर्ग को बड़ा तोहफा देते हुए वित्त मंत्री ने 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई टैक्स नहीं लगाने का एलान किया।

लोकसभा की कार्यवाही स्थगित

वित्त मंत्री के बजट भाषण के बाद बजट को लोकसभा से पारित किया गया और उसके बाद सदन की कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

12 लाख तक की आय पर कोई टैक्स नहीं

12 लाख रुपये तक की आमदनी पर अब आयकर नहीं। जब स्टैंडर्ड डिडक्शन भी जोड़ देंगे तो वेतनभोगी लोगों के लिए 12.75 लाख रुपये की आमदनी पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। वित्त मंत्री ने नए टैक्स स्लैब का एलान करते हुए कहा कि इससे मध्यम वर्ग देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा। हमने मध्यम वर्ग पर टैक्स कम किए हैं और मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई टैक्स नहीं देना होगा।

0–4 लाख रुपये तक की आय पर कोई कर नहीं।

4–8 लाख की आय पर 5 प्रतिशत
8–12 लाख की आय पर 10 प्रतिशत
12–16 लाख की आय पर 15 प्रतिशत
16–20 लाख की आय पर 20 प्रतिशत
20–24 लाख की आय पर 25 प्रतिशत
24 लाख से ऊपर की आय पर 30 प्रतिशत

स्लैब बदलने से नई कर व्यवस्था अपनाने वालों को इस तरह फायदा होगा

12 लाख रुपये तक की कर योग्य आय वालों को इनकम टैक्स में 80 हजार रुपये का फायदा होगा।

18 लाख रुपये तक की कर योग्य आय वालों को इनकम टैक्स में 70 हजार रुपये का फायदा होगा।

25 लाख रुपये तक की कर योग्य आय वालों को इनकम टैक्स में 1.10 लाख रुपये का फायदा होगा।

वरिष्ठ नागरिकों में टीडीएस में छूट

प्रत्यक्ष कर

नए आयकर विधेयक में न्याय की भावना को प्रमुखता दी जाएगी।

टीडीएस–टीसीएस का सरलीकरण

टीडीएस की सीमा में बदलाव किए जाएंगे ताकि इसमें एकरूपता लाई जा सके। वरिष्ठ नागरिकों के लिए टीडीएस में छूट की सीमा को 50 हजार से बढ़ाकर एक लाख रुपये किया जाएगा। किराए से होने वाली आमदनी पर टीडीएस में छूट की सीमा को बढ़ाकर छह लाख रुपये किया जाएगा। नॉन–पैन मामलों में उच्च टीडीएस के प्रावधान लागू रहेंगे। अपडेटेड रिटर्न दाखिल करने की सीमा को दो साल से बढ़ाकर चार साल किया जा रहा है।

36 जीवनरक्षक दवाओं को बेसिक कस्टम ड्यूटी से पूरी छूट

36 जीवनरक्षक दवाओं को बेसिक कस्टम ड्यूटी से पूरी छूट देने का एलान किया गया है। 6 जीवनरक्षक दवाएं को 5 प्रतिशत अट्रैक्टिव कंसेशनल कस्टम ड्यूटी की लिस्ट में शामिल किया गया है। साथ ही 37 अन्य दवाओं और 13 मरीज सहायता कार्यक्रमों को भी बेसिक कस्टम ड्यूटी से पूरी तरह से बाहर रखा गया है।

निर्यात बढ़ाने के लिए प्रावधान

निर्यात बढ़ाने के लिए भी बजट में कई प्रावधान किए गए हैं। इसमें हैंडीक्राफ्ट निर्यात उत्पादों की समय सीमा को छह महीने से बढ़ाकर एक साल कर दिया गया है। इसके बाद भी इसे तीन महीने के लिए और बढ़ाया जा सकेगा। वेट ब्लू लेदर में भी बीसीडी से छूट दी गई है। फ्रोजन फिश पेस्ट पर मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात पर लगने वाला बीसीडी (बेसिक कस्टम ड्यूटी) 30 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है।

महत्वपूर्ण खनिज के लिए एलान

वित्त मंत्री ने कहा कि महत्वपूर्ण खनिजों में पिछले बजट में छूट दी गई थी, जो देश में उपलब्ध नहीं हैं। अब कोबाल्ट पाउडर और लीथियम आयन बैटरी, पारा, जिंक आदि अहम खनिजों को अपशिष्ट पर पूरी छूट का एलान करती हूं। इससे देश में विनिर्माण को फायदा होगा।

पोत परिवहन

वित्त मंत्री ने कहा कि पोत परिवहन में कच्चे माल घटकों पर अगले 10 वर्षों तक छूट जारी रखने का प्रस्ताव जारी रखती हूं। मैं पुराने पोतों को तोड़ने और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए भी छूट देने का प्रावधान करती हूं।

नया आयकर कानून आएगा

अगले हफ्ते नया आयकर कानून लाया जाएगा। आयकर के मामले में इस बात पर जोर दिया जाएगा कि पहले विश्वास करें, फिर छानबीन करें। बीमा क्षेत्र में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को 74: से बढ़ाकर 100: किया जाएगा।

इससे बीमा कंपनियां द्वारा ग्राहकों से मिलने वाली पूरी प्रीमियम राशि को भारत में ही निवेश कराना सुनिश्चित किया जा सकेगा। जन विश्वास बिल 2.0 के तहत 100 से ज्यादा प्रावधानों को अपराध के दायरे से हटाया जाएगा।

बिहार में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट विकसित किए जाएंगे

बिहार में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट विकसित किए जाएंगे। पटना एयरपोर्ट को विस्तार दिया जाएगा। बिहार के मिथिलांचल में पश्चिमी कोशी नहर परियोजना शुरू की जाएगी। इसके दायरे में 50 हजार हेक्टेयर का क्षेत्र आएगा। देश के शीर्ष 50 पर्यटन स्थलों को राज्यों के साथ मिलकर विकसित किया जाएगा। रोजगार आधारित विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। होम स्टे के लिए मुद्रा लोन दिया जाएगा।

एससी–एसटी महिला उद्यमियों के लिए नई योजना का एलान

एससी, एसटी महिला उद्यमियों के लिए एक नई योजना शुरू की जाएगी, जिसमें अगले पांच वर्षों में 2 करोड़ रुपये तक का टर्म लोन होगा।

निवेश

1.5 लाख करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान राज्यों को सुधारों के लिए दिया जा रहा है। इससे अधोसंरचना को बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह आवंटन राज्यों को ब्याज मुक्त किया जाएगा। निवेश प्रोत्साहन मिशन को शुरू किया जाएगा।

15 करोड़ की ग्रामीण आबादी को जल जीवन मिशन के जरिए पेयजल मुहैया कराया जा चुका है।

अर्बन चैलेंज फंड बनेगा

एक लाख करोड़ रुपये से अर्बन चौलेंज फंड बनेगा। इस कोष से शहरों में व्यवस्थाओं में सुधार लाया जा सके।

ऊर्जा क्षेत्र

अंतरराज्यीय ट्रांसमिशन क्षमताओं को बेहतर किया जाएगा। 100 गीगावॉट की परमाणु ऊर्जा क्षमता को 2047 तक विक।

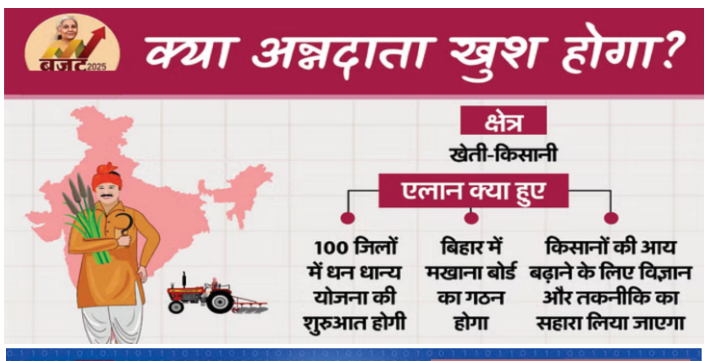

बजट में क्या सस्ता हुआ और क्या महंगा

बिजनेस डेस्क, नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में कई चीजों को सस्ता करने का एलान किया है। उन्होंने इलेक्ट्रिक व्हीकल पर टैक्स घटाने का एलान किया है। इससे इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदना सस्ता हो जाएगा।

वित्त मंत्री के टैक्स से जुड़े एलान के बाद मोबाइल और बैटरी, कपड़ा, कैंसर की 36 दवाएं, लेदर जैकेट और कई इलेक्ट्रिक उपकरणों खरीदना आसान हो जाएगा।

क्या-क्या हुआ सस्ता?

- 36 कैंसर दवाएं
- मेडिकल उपकरण
- LED सस्ती
- भारत में बने कपड़े
- मोबाइल फोन बैटरी
- 82 सामानों से सेस हटा
- लेदर जैकेट
- जूते
- बेल्ट
- पर्स
- ईवी वाहन
- LCD
- LED टीवी
- हैंडलूम कपड़े

माव मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर जीपीओ पार्क, हजरतगंज में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन करते हैं।

महाकुम्भ

प्रयागराज महाकुंभ में एक परिवार 27 साल बाद अपने पिछड़े हुए परिजन से मिला। परिवार ने अब उनके मिलने की उम्मीद ही छोड़ दी थी। उन्हें मान लिया था कि या तो वह इस दुनिया में नहीं है और या फिर वह किसी ऐसे स्थान पर चले गए हैं, जहां से वापस आना संभव नहीं है। हालांकि, दिल की किसी कोने में उनके मिलने की उम्मीद बाकी थी। मामला झारखंड के परिवार का है।

महाकुंभ में महामिलन

1998 में पटना की यात्रा के बाद हुए लापता गंगासागर यादव

2025 में अघोरी साधु के रूप में मिले बाबा राजकुमार

महाकुंभ भगदड़–प्रयागराज से लौटे रवि बोले–नजदीक से देखी मौत

महाकुंभ में तैनात हैं मेरठ के 800 पुलिसकर्मी

मेरठ। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान भगदड़ हादसे के दौरान मेरठ के रवि भी भीड़ में फंसे थे। उन्होंने हादसे का आंखों देखा हाल बताया। उन्होंने कहा कि एक बार तो लगा था कि आज तो जान ही नहीं बच पाएगी। प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या शुरू होते ही अखाड़ों से पहले आम जनता के लिए शाही स्नान खोल दिया गया। दो डुबकी लगाने के आदेश जारी किए गए, एक धर्म और एक कर्म की डुबकी।

अखाड़ों के स्नान के लिए जब कुछ घंटे बचे तो जगह को खाली कराना शुरू कर दिया। भीड़ अधिक होने के चलते सेक्टर 20 के पास रेलिंग टूट गई और भगदड़ मच गई। हमसे 100 मीटर की दूरी पर हादसा हुआ। भगदड़ देख ऐसा लगा कि आज नहीं बच पाएंगे। मोदीपुरम निवासी रवि चौधरी ने हादसे को नजदीक से देखा और वापस लौटते हुए अमर उजाला से फोन पर बातचीत कर जानकारी दी। रवि ने बताया कि वह नंगली निवासी केपी, ओमपाल के साथ महाकुंभ में गए हुए थे। पिछले कई दिनों से वह वहां थे। बताया कि मंगलवार रात को अखाड़ों से पहले प्रशासन ने आम जनता के लिए शाही स्नान खोल दिया।

अखाड़ों का समय हुआ तो जगह खाली कराई जाने लगी, ताकि व्यवस्था न बिगड़े। भीड़ अधिक होने के चलते भगदड़ मच गई और लोग गिर गए। उन्होंने नजदीक से मौत को देखा। राष्ट्रीय परशुराम परिषद का प्रयागराज महाकुंभ में सेक्टर नौ में शिविर लगा हुआ है। शिविर में मौजूद अजय भारद्वाज ने बताया कि मंगलवार रात में जब भगदड़ मची तो परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील भराला के निर्देश पर सभी पंडाल खोल दिए गए। लगभग पांच से छह हजार श्रद्धालुओं को पंडाल में रखा गया और सभी व्यवस्था उपलब्ध कराई गईं।

कितना चलाओगे दरोगाजी

अब नहीं बची पैरों में जान, संगम जाने और वापस आने में इतना चलना पड़ा पैदल

प्रयागराज। मौनी अमावस्या पर पुण्य की डुबकी लगाने के बाद रेलवे स्टेशनों पर आने वाले श्रद्धालुओं को लंबी दूरी तय करनी पड़ी। कोई साधन नहीं मिलने की वजह से लोगों को प्रयागराज जंक्शन, रामबाग ओर प्रयाग आदि रेलवे स्टेशन से संगम पहुंचने और वापस आने के लिए 20 से 25 किमी का पैदल ही सफर तय करना पड़ा।

जगह–जगह बैरिकेडिंग होने से लोग पुलिस कर्मियों से यह भी कहते नजर आए, 'दरोगाजी और कितना चलवाओगे, अब पैरों में जान नहीं बची है।'

मकर संक्रांति पर प्रयागराज जंक्शन पर उमड़ी भीड़ की वजह से बुधवार को सिविल लाइंस साइड से आने वाले श्रद्धालुओं को वाया खुसरो बाग आश्रय स्थल से लाया जाता रहा।यहां पहुंचे श्रद्धालुओं का थकान की वजह से बुरा हाल रहा।

यहां तैनात पुलिस कर्मियों और आरपीएफ जवानों से लोग कहते नजर आए, 'भाई, सच–सच बताओ कि अभी स्टेशन कितना दूर है।' जवान जब बोलते महज 100 मीटर दूर स्टेशन है तो श्रद्धालुओं का जवाब रहता कि भैया झूठ न बोलना, क्योंकि संगम से स्नान करने के बाद चार घंटे हो गए। पैदल चलते–चलते और हर जगह सुरक्षा कर्मी यही बोल रहे हैं कि स्टेशन पास में ही है।

ब्रजेश कुमार ने बताया कि सुबह चार बजे स्नान करने के बाद साथियों के साथ 12 बजे स्टेशन पहुंच सके। फर्रुखाबाद से पहुंची वंशिका कटियार ने कहा कि सुबह से पैदल चलते–चलते हालत खराब हो गई है।

वहीं, चित्रकूट से आए देव बिहारी शर्मा ने कहा कि खुसरोबाग प्रवेश के दौरान दो साथी बिछड़ गए, अब उन्हीं को ढूंढ रहा है। थकान के मारे अब चलने की हिम्मत नहीं हो रही। इसी तरह पटना से पहुंची रिंकी कुमारी ने कहा कि वह दस लोग आए थे, लेकिन स्नान के बाद पांच लोग बिछड़ गए। उन्हीं का इंतजार हो रहा है।

गौरतलब है कि खुसरोबाग आश्रय स्थल को भी चार रंग में बांटा गया, ताकि भीड़ बढ़ने के बाद हर लेन से निकाला जा रहा था। उधर, प्रयागराज जंक्शन का प्लेटफॉर्म खाली होते ही एक साथ दो हजार से अधिक यात्रियों को ट्रेन पकड़ने के लिए भेजा जा रहा था।

लाखों लोगों को संगम जाने और वापस आने में ही कई किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ा। खुसरोबाग आश्रय स्थल की वजह से जंक्शन पर यात्रियों की आवाजाही में दिक्कत आई। यहां पहुंचे श्रद्धालुओं का थकान की वजह से बुरा हाल रहा।

आगरा की ये लजीज मिठाई...

मुगल बादशाह शाहजहां भी रहे इसके दीवाने, अब आया इस पूरे उद्योग पर संकट

आगरा। ताजमहल का शहर आगरा पेठा नगरी के नाम से भी जाना जाता है। वजह है यहां का पेठा। जिसने भी इस लजीज मिठाई को एक बार खाया वो इसके स्वाद का दीवाना हो गया। लेकिन अब पेठा उद्योग पर ही संकट के बादल मंडरा रहे हैं। हवा में घुली चाशनी की महक, सड़क के दोनों ओर सजीं दुकानें, कारखानों में काम करते कामगार और नालियों में चूने की सफेदी लिए बहता तेज रफ्तार पानी इस बात का अहसास कराते हैं कि आप नूरी दरवाजे पहुंच गए हैं।

मिल्कीपुर उपचुनाव में सपा सांसद डिम्पल यादव का रोड शो

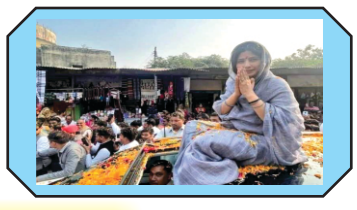

अयोध्या

मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर जातिगत समीकरण

यादव	65 हजार
पासी	60 हजार
ब्राह्मण	50 हजार
मुस्लिम	35 हजार
ठाकुर	25 हजार
गैर-पासी दलित	50 हजार
चौरसिया	15 हजार
वैश्य	12 हजार

लोकसभा सांसद श्रीमती डिंपल यादव का मिल्कीपुर विधानसभा में सपा प्रत्याशी श्री अजीत प्रसाद के समर्थन में रोड शो किया

भगदड़ के बाद का मंजर तस्वीरों में

महाकुंभ में भगदड़

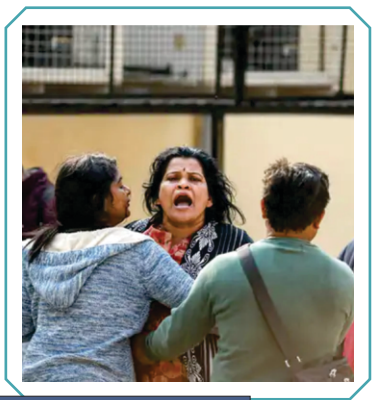

भगदड़ के बाद एक महिला को अस्पताल ले जाते पुलिस जवान।

प्रयागराज । संगम तट पर 28 जनवरी की आधी रात बाद भगदड़ मच गई। हादसे में अब तक 35 से 40 लोगों की मौत होने की खबर है। 50 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हैं। घायलों के रेस्क्यू और शवों की तलाश का काम अभी जारी है। परिजन भी अपनों को ढूंढ रहे हैं। भगदड़ के बाद वहां मौजूद भास्कर रिपोर्टर ने जो मंजर देखा वो भयावह था। कुछ लोग अपनों के शव का हाथ नहीं छोड़ रहे थे, उन्हें डर था कि कहीं बॉडी खो न जाए। केंद्रीय अस्पताल में पहुंचा तो वहां 11 लाशें लाई गई थीं। हादसे के बाद का मंजर 42 तस्वीरों में देखिए।

परिजन ने शव का हाथ नहीं छोड़ा डर था बाडी खो न जाए

दिल्ली में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक जनसभा को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि वो दस सालों से राजनीति में हैं लेकिन उन्हें राजनीति करनी नहीं आती. उन्होंने कहा, श्मेरे से आप काम करा लो. मेरे से स्कूल बनवा लो, अस्पताल बनवा लो. ये काम मैं बड़े शानदार तरीके से करता हूं. मुझे राजनीति नहीं आती. जो बीजेपी वाले हैं उनको भी मैं अपना भाई मानता हूं. जो कांग्रेस वाले हैं उनको भी मैं अपना भाई मानता हूं. मैं सब लोगों को अपना परिवार मानता हूं।

शाहिद कपूर ने अपनी फिल्मों को लेकर कही दिलचस्प बात

कैसे कबीर सिंह से अलग है देवा का किरदार

एंटरटेनमेंट डेस्क।शाहिद कपूर इन दिनों अपनी फिल्म देवा को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। देवा 31 जनवरी को रिलीज हो रही है। इसी बीच शाहिद ने अपनी एक्शन फिल्म कबीर सिंह और देवा के बारे में डिफ्रेंस बताया है।शाहिद कपूर की फिल्म देवा 31 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में शाहिद के अलावा पूजा हेगड़े, कुब्रा सैत और पावेल गुलाटी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। हाल ही में शाहिद ने अपनी फिल्म कबीर सिंह और देवा के बारे में कुछ दिलचस्प बात बताईं।

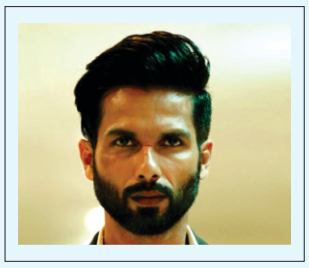

कबीर सिंह से कैसे अलग है देवा

मलयालम निर्देशक रोशन एंड्रयूज की एक्शन थ्रिलर फिल्म देवा 31 जनवरी को बड़े पर्दे पर रिलीज हो रही है। सोशल मीडिया पर देवा की तुलना संदीप वांगा रेड्डी की कबीर सिंह से की जा रही है। अब, शाहिद ने देवा की कहानी के बारे में खुलकर बात की है। अभिनेता ने बताया कि देवा में उनका किरदार कबीर सिंह से किस तरह अलग है।

कैसा है देवा का किरदार

कथित तौर पर शाहिद कपूर ने देवा और कबीर सिंह को लेकर खुलासा किया, ष्कबीर सिंह एक आक्रामक किरदार है, लेकिन देवा वाकई देवा है, इसमें कबीर सिंह जैसा कुछ नहीं है। देवा किसी भी मेरे बाकी किरदार की तरह नहीं है। कबीर सिंह तक लोग कहते थे, ओह! क्या वह उड़ता पंजाब के टॉमी सिंह जैसा है?

इरफान खान के साथ काम कर चुकी यह पाकिस्तानी एक्ट्रेस अस्पताल में भर्ती

एंटरटेनमेंट डेस्क। मशहूर पाकिस्तानी अभिनेत्री सबा कमर की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी हेल्थ अपडेट शेयर की है। मशहूर पाकिस्तानी अभिनेत्री सबा कमर हास्पिटल में भर्ती हैं। अभिनेत्री को डायरिया के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसके बाद उन्होंने अपनी हेल्थ अपडेट शेयर की। अभिनेत्री साल 2017 की बॉलीवुड फिल्म 'हिंदी मीडियम' में दिवंगत अभिनेता इरफान खान के साथ नजर आई थीं। वह मशहूर पाकिस्तानी ड्रामा 'पागल खाना' में भी मुख्य भूमिका निभा चुकी हैं। अपनी हेल्थ अपडेट में उन्होंने बताया कि वह ठीक हो रही हैं।

शेयर की हेल्थ अपडेट

अभिनेत्री सबा कमर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अस्पताल के बिस्तर से अपने लोगों के साथ पोज देते हुए मुस्कुराती हुई तस्वीर शेयर की। उन्होंने लिखा, प्रशंसकों! मुझे पता है कि आप में से बहुत से लोग मेरे बारे में चिंतित थे। इसलिए मैं आपको बताना चाहती हूं कि मुझे गंभीर डायरिया था, लेकिन अल्हम्दुलिल्लाह, अब मैं बहुत बेहतर महसूस कर रही हूं।

मुझे अपनी दुआओं में रखें

अभिनेत्री ने फैंस का आभार जताते हुए आगे कहा, मैं ठीक हो रही हूं और मेरी शानदार टीम मेरा देखभाल कर रही है।ष इसके अलावा, प्यार और प्रार्थनाओं के लिए आभार जताते हुए सबा कमर ने कहा, आपका प्यार और प्रार्थनाएं मेरे लिए बहुत मायने रखती हैं और मैं वादा करती हूं कि मैं जल्द ही वापस आऊंगी। आप सभी से प्यार करती हूं।

गले में रुद्राक्ष की माला पहन एक्टर मिलिंद सोमन ने संगम में किया स्नान

लो जी कमाल हो गया! वीक डे में स्काई फोर्स की कमाई में हुआ इजाफा

एंटरटेनमेंट डेस्क,नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म स्काईफोर्स को सिनेमाघरों में रिलीज हुए छह दिन बीत चुके हैं। फिल्म को खासतौर पर गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज किया गया था और देशभक्ति की टीम होने के कारण मेकर्स को इस फिल्म से काफी ज्यादा उम्मीद थी।

फिल्म ने कितने करोड़ की ली ओपनिंग

एक तरीके से देखा जाए तो नया साल अक्षय कुमार के लिए काफी अच्छा साबित हो रहा है। फिल्म ने ओपनिंग वीकेंड पर ताबड़तोड़ कमाई की और अब वीक डे पर भी स्काईफोर्स रुकने का नाम नहीं ले रही है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 12.25 करोड़ की ओपनिंग ली थी और बाद में अच्छी रफ्तार पकड़ी। आइए जानते हैं क्या है स्काई फोर्स के लेटेस्ट आंकड़े।

अक्षय कुमार ने निभाया लीड किरदार वीर पहाड़िया ने फिल्म से किया डेब्यू क्या है स्काई फोर्स का छठवें दिन का कलेक्शन ?

फ्राइडे रिलीज लिस्ट

हर वीक की तरह इस सप्ताह भी शुक्रवार के दिन नई फिल्मों और सीरीज की रिलीज की बाढ़ आने वाली है। इस दौरान ओटीटी से लेकर थिएटर्स तक एंटरटेनमेंट का हाउसफुल रहने वाला है। ऐ से में हम आपके लिए 31 जनवरी 2025 को फ्राइडे को रिलीज होने वाली फिल्में और वेब सीरीज की लिस्ट लेकर आए हैं।

एंटरटेनमेंट डेस्क। मनोरंजन के दीवानों को हफ्ते में शुक्रवार के दिन का बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। क्योंकि इसी दिन सिनेमाघरों में नई–नई फिल्में जो रिलीज की जाती हैं। सिर्फ थिएटर्स ही नहीं, बल्कि बदलते हुए जमाने के साथ–साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी फ्राइडे के दिन मेकर्स मूवीज और वेब सीरीज को ऑनलाइन स्ट्रीम करते हैं। इस आधार पर आज हम आपको इस शुक्रवार यानी 31 जनवरी 2025 को बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी तक रिलीज (थ्तपकंल त्मसमेंम) होने वाली फिल्में और वेब सीरीज के बारे में डिटेल्स में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं कि इस लिस्ट में किस–किस का नाम शामिल है।

देवा

इस फ्राइडे की सबसे बड़ी रिलीज के तौर पर अभिनेता शाहिद कपूर और एक्ट्रेस पूजा हेगड़े की फिल्म देवा सिनेमाघरों में आ रही है। इस मूवी का निर्देशन रौशन एंड्रूज ने किया है। ये एक क्राइम थ्रिलर मूवी है, जिसमें शाहिद सनकी पुलिस ऑफिसर की भूमिका को निभा रहे हैं। फैंस इस मूवी का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि बीते साल आई फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया के बाद शाहिद कपूर किसी मूवी के जरिए वापसी कर रहे हैं।

द सीक्रेट अश्वफ द शिलेदार्स

अगर आप फैंटेसी वेब सीरीज देखने के शौकीन हैं तो इस शुक्रवार आपके लिए सीरीज द सीक्रेट ऑफ द शिलेदार्स आ रही है। बॉलीवुड एक्टर राजीव खंडेलवाल इस सीरीज में अहम भूमिका में मौजूद हैं। 31 जनवरी को द सीक्रेट ऑफ द शिलेदार्स को फेमस ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर ऑनलाइन स्ट्रीम किया जाएगा।

आइडेंटिटी

साउथ सिनेमा की दिग्गज एक्ट्रेस तृषा कृष्णन और एक्टर टोविनो थॉमस की शानदार फिल्म आइटेंडिटी को इस महीने की शुरुआत में थिएटर्स में रिलीज किया गया था। मलयालम एक्शन थ्रिलर के तौर पर दर्शकों ने इस मूवी को काफी सराहा था। अब फ्राइडे को ये मूवी ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 (मम5) पर स्ट्रीम होने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

रिंग रिंग

तमिल सिनेमा की मोस्ट अवेटेड कॉमेडी फिल्म रिंग रिंग की रिलीज का हर कोई बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहा है। साउथ फिल्म कलाकार साक्षी अग्रवाल, स्वयम सिद्धा और विवेक प्रसन्ना की इस मूवी को 31 जनवरी शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इन मूवीज के जरिए यकीनन तौर पर फ्राइडे को थिएटर्स और ओटीटी पर एंटरटेनमेंट हाउसफुल रहने वाला है।

माहिरा शर्मा को दोबारा हुआ प्यार

एंटरटेनमेंट डेस्क, । टेलीविजन से लेकर पंजाबी फिल्मों तक में अपने अभिनय की छाप छोड़ने वाली अभिनेत्री माहिरा शर्मा एक बार अपनी लव लाइफ को लेकर फिर से चर्चा में आ गई हैं। बिग बॉस 13 के खत्म होने के बाद उन्होंने कई सालों तक पारस छाबड़ा को डेट किया। चार साल तक लिव इन रिलेशनशिप में रहने के बाद साल 2023 में दोनों ने अपनी राह अलग कर ली। उनसे अलग होने के बाद साल 2024 में ये खबर आई कि माहिरा शर्मा भारतीय क्रिकेट टीम के फास्ट बॉलर मोहम्मद सिराज को डेट कर रही हैं।

बिग बॉस सीजन 13 में नजर आईं माहिरा शर्मा पिछले काफी समय से लगातार चर्चा में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पारस छाबड़ा से अलग होने के बाद एक बार फिर से एक्ट्रेस की जिंदगी में प्यार ने दस्तक दी है। उनका नाम भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद सिराज से जुड़ रहा है। आखिर क्यों दोनों के अफेयर की खबरें जोर पकड़ रही हैं चलिए जानते हैं

स्पोर्ट्स डेस्क। सैमसन भारत के लिए पिछली 12 टी20 पारियों में तीन शतक तो बना चुके हैं, लेकिन छह बार पांच से ज्यादा का स्कोर नहीं बना सके। इन छह बार में चार बार सैमसन खाता भी नहीं खोल सके। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज में स्टार बल्लेबाज संजू सैमसन से काफी उम्मीदें हैं। हालांकि, शुरुआती तीन टी20 में वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। वह तीन मैचों में महज 34 रन बना सके हैं। इनमें 3, 5 और 26 के स्कोर शामिल हैं। सीरीज शुरू होने से पहले कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उन पर भरोसा जताया था और कहा था कि चाहे कुछ भी हो सैमसन हमारे विकेटकीपर बने रहेंगे। हालांकि, लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने की उनकी क्षमता की वजह से उन्हें समय समय पर पहले ड्रॉप किया जाता रहा है। अब उन्हें लगातार मौके मिल रहे हैं, लेकिन बल्ले के साथ उनकी इन कंसिस्टेंसी चिंता का कारण बनी हुई है।

भारत के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं सैमसन, तीन शतक जड़े पर छह बार 5 रन नहीं बना पाए

सैमसन की पिछली 12 पारियां

सैमसन भारत के लिए पिछली 12 टी20 पारियों में तीन शतक तो बना चुके हैं, लेकिन छह बार पांच से ज्यादा का स्कोर नहीं बना सके। इन छह बार में चार बार सैमसन खाता भी नहीं खोल सके। इन 12 पारियों में तीन शतक को छोड़ दें तो कोई 50 का स्कोर नहीं है। भारत के टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद से वह 12 टी20 खेल चुके हैं। पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ वह दो मैचों में खाता नहीं खोल सके थे। इसके बाद बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज के शुरुआती दो मुकाबलों में उन्होंने 29 और 10 रन के स्कोर बनाए थे। फिर तीसरे टी20 में उन्होंने 47 गेंद में 111 रन की पारी खेली।

4468 दिन बाद कोहली की रणजी ट्रॉफी में वापसी

12 साल 2 महीने 24 दिन बाद पहला रणजी मैच खेल रहे दिल्ली के लिए

पिछला रणजी मैच उन्होंने 2-5 नवंबर, 2012 को यूपी के खिलाफ खेला था

किंग कोहली का जादू बरकरार

डीडीसीए ने पहले 6000 की क्षमता वाला गौतम गंभीर स्टैंड खोला, लेकिन भीड़ को देखते हुए 14000 की क्षमता वाला बिशन सिंह बेदी स्टैंड खोलना पड़ा।

भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार विराट कोहली का 'स्टार पावर' अरूण जेटली स्टेडियम के भीतर और बाहर देखने को मिला जहां दिल्ली और रेलवे के बीच रणजी ट्रॉफी मैच में उन्हें खेलते देखने हजारों की संख्या में दर्शक उमड़े। कोहली 12 साल बाद रणजी ट्रॉफी मैच खेल रहे है। डीडीसीए (दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ) ने कोहली की वापसी वाले मैच में करीब 10000 दर्शकों के आने का कयास लगाया था जो रणजी ट्रॉफी मैच में एक रिकॉर्ड है। कोहली का जादू ऐसा है कि सारे कयास धरे रह गए और इससे कहीं अधिक संख्या में लोग आए। खेल गुरुवार सुबह साढ़े नौ बजे शुरू होना था और इससे काफी पहले से दर्शकों की कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। डीडीसीए ने पहले 6000 की क्षमता वाला गौतम गंभीर स्टैंड खोला, लेकिन भीड़ को देखते हुए 14000 की क्षमता वाला बिशन सिंह बेदी स्टैंड खोलना पड़ा। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला भी उसी जगह से गुजर रहा था जो महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करने राजघाट गए थे।

डीडीसीए सचिव अशोक शर्मा ने कहा, श्मैं 30 साल से अधिक समय से दिल्ली क्रिकेट से जुड़ा हूं, लेकिन रणजी ट्रॉफी मैच में ऐसा नजारा नहीं देखा। इससे साबित होता है कि कोहली की लोकप्रियता का कोई सानी नहीं।श उन्होंने कहा, श्यह इसलिए भी और चुनौतीपूर्ण हो गया क्योंकि दर्शक उसी समय स्टेडियम में आ रहे थे जब बाहर प्रधानमंत्री मोदी की वीआईपी मूवमेंट थी। कड़े प्रोटोकॉल और पुलिस के निर्देशों के बाद हमें जनता के लिए दूसरा स्टैंड खोलना पड़ा।

आयुष बडोनी की कप्तानी वाली दिल्ली की टीम में शामिल, रेलवे से मैच जारी

कोहली की रणजी में वापसी

स्पोर्ट्स डेस्क। विराट के लिए बडोनी अपने नंबर चार के स्थान को छोड़ने जा रहे हैं। बडोनी कहते हैं कि विराट अपने नियमित नंबर चार के स्थान पर खेलेंगे। उन्होंने हमसे सकारात्मक रहने और खुद को आत्मविश्वास के साथ व्यक्त करने को कहा है। रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा के बाद अब विराट कोहली की भी रणजी ट्रॉफी में वापसी हुई है। वह 4468 दिन बाद कोई रणजी मैच खेल रहे हैं। उन्हें रेलवे के खिलाफ आखिरी दौर के मुकाबले में दिल्ली की प्लेइंग–11 में शामिल किया गया है। हालांकि, वह आयुष बडोनी की कप्तानी में खेल रहे हैं। कोहली ने पिछला रणजी मैच 2–5 नवंबर 2012 को खेला था। तब वह उत्तर प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में दिल्ली की टीम का हिस्सा रहे थे। उनकी करीब 12 साल, दो महीने और 24 दिन बाद दिल्ली की टीम में वापसी हुई है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे मैच में दिल्ली के कप्तान बडोनी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया।

लय हासिल करने उतरेंगे कोहली

इंग्लैंड के खिलाफ छह फरवरी से शुरू होने जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज और चौंपियंस ट्रॉफी से पहले विराट कोहली के पास इस मैच के जरिये अपनी पुरानी लय हासिल करने का सुनहरा मौका है। ऑस्ट्रेलिया में करारी हार के बाद बीसीसीआई ने सभी क्रिकेटरों का घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य कर दिया था। हालांकि विराट सौराष्ट्र के खिलाफ रणजी मैच में नहीं खेले, लेकिन उन्होंने रेलवे के खिलाफ अपने उपलब्ध बताया। दिल्ली के कप्तान बडोनी ने मैच से पहले कहा था कि वह विराट के खिलाफ आईपीएल में खेले हैं, लेकिन यह उनके लिए सम्मान की बात है कि उनकी कप्तानी में पिछले मैच में ऋषभ पंत और अब विराट खेलने जा रहे हैं। इसके अलावा केएल राहुल को हरियाणा के खिलाफ रणजी मैच में कर्नाटक की टीम में शामिल किया गया है। यह मैच बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जा रहा है।

नंबर चार पर खेलने उतरेंगे कोहली

विराट के लिए बडोनी अपने नंबर चार के स्थान को छोड़ने जा रहे हैं। बडोनी कहते हैं कि विराट अपने नियमित नंबर चार के स्थान पर खेलेंगे। उन्होंने हमसे सकारात्मक रहने और खुद को आत्मविश्वास के साथ व्यक्त करने को कहा है। अरुण जेटली स्टेडियम की पिच हरी घास दिखाई दे रही है। विराट अगर इस मैच में रन बनाने में सफल रहते हैं तो चौंपियंस ट्रॉफी से पहले उनका इस रणजी मैच में खेलने का मकसद सफल हो जाएगा। रेलवे की टीम में लेग स्पिनर कर्ण शर्मा भी हैं, जिन्होंने कोहली की कप्तानी में 11 साल पहले एडिलेड में टेस्ट खेला था। यह वही टेस्ट था, जिसमें कोहली ने पहली बार टेस्ट में भारत की कप्तानी की थी।

सबसे ज्यादा 600 का स्कोर बनाने में आस्ट्रेलिया शीर्ष पर

स्पोर्ट्स डेस्क। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 35 मैचों में पारी में 600 का स्कोर बनाया है। इससे पहले जब जब उन्होंने 600 से ज्यादा का स्कोर बनाया है, वे वह मैच कभी नहीं हारे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने गॉल में पहले टेस्ट के दूसरे दिन छह विकेट पर 654 रन पर पहली पारी घोषित करके एशिया में अपना अब तक का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। इसके बाद श्रीलंका की टीम दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर 44 रन बना चुकी थी। इतना स्कोर बनाते ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने सबसे ज्यादा बार 600 रन का स्कोर बनाने के मामले में भारत पर बढ़त ले ली है। ऑस्ट्रेलिया ने किसी टेस्ट पारी में 35वीं बार 600 या इससे ज्यादा का स्कोर बनाया है। वहीं, भारत 33 बार के साथ इस सूची में दूसरे नंबर पर है।

भारत दूसरे और इंग्लैंड तीसरे स्थान पर

ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 35 मैचों में पारी में 600 का स्कोर बनाया है। इससे पहले जब जब उन्होंने 600 से ज्यादा का स्कोर बनाया है, वे वह मैच कभी नहीं हारे हैं। पिछले 34 में से 28 टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने

जीत हासिल की है, जबकि छह ड्रॉ रहे हैं। ऐसे में गॉल टेस्ट में भी ऑस्ट्रेलिया का दावा मजबूत लग रहा है। वहीं, भारत ने 33 टेस्ट में 600 या इससे ज्यादा का स्कोर बनाया। भारत ने भी किसी पारी में 600 का स्कोर बनाने के बाद वह मैच नहीं गंवाया है। भारत ने 33 में से 18 टेस्ट जीते हैं, जबकि 15 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। हालांकि, यह गौर की जाने वाली बात है कि भारत ने पिछली बार 600 का स्कोर साल 2019 में बनाया था। इंग्लैंड इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। उसने 22 टेस्ट में 600 का स्कोर बनाया है। इसमें से 12 मैचों में इंग्लिश टीम को जीत मिली, जबकि 10 टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुए।

अफगानिस्तान और बांग्लादेश सबसे नीचे

वेस्टइंडीज ने 20 टेस्ट में तो श्रीलंका ने 16 टेस्ट में 600 या इससे ज्यादा का स्कोर बनाया। पाकिस्तान 15 बार ऐसा कर चुका है। इस लिस्ट में सबसे नीचे अफगानिस्तान और बांग्लादेश की टीमें हैं। इन दोनों ने एक–एक बार ऐसा किया है। कुल मिलाकर अभी तक जिन भी टीमों ने किसी टेस्ट की किसी पारी में 600 का स्कोर बनाया है। वह टीम कभी नहीं हारी है। या तो उन टीमों ने जीत हासिल की, या फिर वह टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

दी नेक्स्ट पोस्ट
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003
Tital code: UPHIN51019
बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com
नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।